एनएफएन कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) की प्रतिबद्धता के तहत डेरी सहकारी समितियों के नेटवर्क के माध्यम से स्कूली बच्चों को दूध की आपूर्ति करता है। श्री रथ ने कहा कि वर्तमान में एनएफएन गुजरात, तेलंगाना, दिल्ली और नोएडा के कुल 13 स्कूलों के लगभग 11,500 छात्रों को दूध उपलब्ध करवा रहा है। अब तक एनएफएन ने सरकारी स्कूली बच्चों के बीच 9 लाख यूनिट दूध बांटा हैं।

एनएफएन सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है और 9 अक्तूबर 2015 को गुजरात राज्य के लिए लागू बॉम्बे पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के तहत एक ट्रस्ट के रूप में कार्यरत है। इसे 1961 आईटी अधिनियम के 80 जी (5) के तहत स्वीकृति प्रदान की गई है, जो व्यक्तिगत दाताओं के लिए 50% आयकर छूट प्रदान करता है। एनएफएन को मिलने वाले सीएसआर फंडिंग में कर राहत का प्रावधान है।

एनडीडीबी और इसकी सहायक कंपनियां झारखंड के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में डेरी विकास और फलों तथा सब्जी की पहल के साथ जुड़ी हैं। राँची में एनडीडीबी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मदर डेरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड (एमडीएफवीपीएल) द्वारा स्थापित एक आधुनिक एकीकृत फल एवं सब्जी प्रसंस्करण सुविधा राज्य के उत्पादकों को बाजार से लिंकेज प्रदान कर रही है और उन्हें अपनी उपज के लिए लाभकारी कीमत प्रदान कर रही है। डेरी बोर्ड झारखंड मिल्क फेडरेशन (जेएमएफ) का भी प्रबंधन कर रहा है। एनडीडीबी ने झारखंड सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता से जेएमएफ के लिए होटवार, रांची में राज्य के अत्याधुनिक डेरी संयंत्र को चालू कर दिया है। दूध की खरीद अक्तूबर 2017 में 98 हजार लीटर प्रतिदिन तक बढ़ गई है, जिसके परिणामस्वरूप 1600 से भी ज्यादा गांवों में फैले 17,300 दूध उत्पादकों को सीधे लाभ पहुंचा है जिसमें 500 से ज्यादा दुग्ध संकलन केंद्रों में 56 बल्क मिल्क कूलर और लगभग 300 डीपीएमसी/एएमसीयू गांवों का नेटवर्क शामिल है। जेएमएफ के कुल चार डेरी संयंत्र हैं जो रांची, लातेहार, देवघर और कोडरमा में स्थित है। इस वर्ष के दौरान, महासंघ ने प्रतिदिन लगभग 78 हजार लीटर दूध एवं दूध उत्पादों का विपणन किया।